संरक्षक गण

प्रो० चन्द्रशेखर, कुलपति, राजा महेन्द्र प्रताप सिंह राज्य विश्वविद्यालय, अलीगढ़
डॉ० पी० कुमार, अध्यक्ष, प्रबन्ध समिति, श्री वार्ष्णेय महाविद्यालय, अलीगढ़
श्री अतुल गुप्ता सी०ए०, सचिव, प्रबन्ध समिति, श्री वार्ष्णेय महाविद्यालय, अलीगढ़
डॉ. विशन बहादुर, मुख्य परामर्शदाता

आयोजन समिति

प्रो० अरुण कुमार गुप्ता, प्राचार्य, संगोष्ठी समन्वयक मो. 9412389058
प्रो० प्रतिभा शर्मा, संगोष्ठी संयोजक मो. 9897216003
प्रो० कृष्णा अग्रवाल, प्रभारी, समाजशास्त्र विभाग मो. 9319797506
डॉ० एम० आई० खान, प्रभारी, राजनीति विज्ञान विभाग, मो. 7060235432
प्रो० शान्ति स्वरूप, समाजशास्त्र विभाग, मो. 8865871546
डॉ० ऋचा बजाज, एसो० प्रो०, राजनीति विज्ञान विभाग, मो. 9412066018
डॉ० विवेक सेंगर, असि० प्रो०, इतिहास विभाग, मो. 9897448438
डॉ० अजय पाठक, असि० प्रो०, राजनीति विज्ञान विभाग, मो. 9453918535
डॉ० शजर उद्दीन, असि० प्रो०, अंग्रेजी विभाग, मो. 8057653541
डॉ० योगेश कुमार, असि० प्रो०, इतिहास विभाग, मो. 9756405889
डॉ० जयप्रताप सिंह, असि० प्रो०, समाजशास्त्र विभाग, मो. 7906872843
डॉ० सतेन्द्र कुमार, असि० प्रो०, हिन्दी विभाग, मो. 8979212652

पंजीकरण शुल्क

(1) शिक्षाविद व अन्य —800/—(11 नवम्बर 2022 तक)
—1000/— (स्पॉट रजिस्ट्रेशन)
(2) शोधार्थी —500/—(11 नवम्बर 2022 तक)
—600/—(स्पॉट रजिस्ट्रेशन)
(3) विद्यार्थी —300/—(11 नवम्बर 2022 तक)
—350/—(स्पॉट रजिस्ट्रेशन)

Bank Details

Name : Shri Varshney Mahavidhyalaya Seminar
A/c No. : 4046000100621479
IFSC Code : PUNB0404600

(4) पंजीकरण शुल्क इतिहास विभाग, श्री वार्ष्णेय महाविद्यालय, अलीगढ़ में नकद रूप में भी 11 बजे पूर्वाह्न से 2 बजे अपराह्न तक जमा कर सकते हैं। पंजीकरण का Online Link निम्न है:—

http://surveyheart.com/form/6331504a4edd613fededе5a9

प्रमुख तिथियाँ

शोध पत्र सार को भेजने की अन्तिम तिथि –05 नवम्बर, 2022
शोध पत्र को जमा करने की अन्तिम तिथि–11 नवम्बर, 2022

सम्पर्क सूत्र

शोध सार एवं शोध पत्र : प्रो. प्रतिभा शर्मा, मो0 9897216003
आवासीय व्यवस्था : डॉ. योगेश कुमार, मो0 9756405889
पंजीकरण एवं अन्य जानकारी : डॉ. विवेक सेंगर, मो. 9897448438

आज़ादी का अमृत महोत्सव

सेवा में,

.....

.....

.....

ICHR

भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद्
नई दिल्ली द्वारा अनुदानित

राष्ट्रीय संगोष्ठी

भारतीय स्वाधीनता संग्राम में स्वराज, राष्ट्रीय चेतना एवं प्रतिरोध
Swaraj, National Consciousness & Resistance in Indian Freedom Struggle

12–13 नवम्बर, 2022

आयोजक
इतिहास विभाग
श्री वार्ष्णेय महाविद्यालय, अलीगढ़
(सम्बद्ध : राजा महेन्द्र प्रताप सिंह राज्य विश्वविद्यालय, अलीगढ़)

समन्वयक
प्रो० अरुण कुमार गुप्ता
प्राचार्य
श्री वार्ष्णेय महाविद्यालय
अलीगढ़

संयोजक
प्रो० प्रतिभा शर्मा
प्रभारी, इतिहास विभाग
श्री वार्ष्णेय महाविद्यालय
अलीगढ़

सम्मानित महोदया/महोदय,

अत्यन्त हर्ष का विषय है कि श्री वार्ष्णेय महाविद्यालय, अलीगढ़ का इतिहास विभाग, **"भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद्"** (आई०सी०एच०आर०), नई दिल्ली द्वारा अनुदानित द्वि–दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन दिनांक 12–13 नवम्बर 2022 को कर रहा है। इस संगोष्ठी का विषय **"भारतीय स्वाधीनता संग्राम में स्वराज, राष्ट्रीय चेतना एवं प्रतिरोध"** है। भारतीय स्वाधीनता संग्राम की पृष्ठभूमि में अनेक सामाजिक, आर्थिक, राजनैतिक, सांस्कृतिक, साहित्यिक, वैश्विक एवं स्थानीय उत्प्रेरक विचार और घटनाऐं रही हैं, जिन्होंने भारतीय स्वाधीनता संग्राम को एक नवीन दिशा और दशा प्रदान की। इन विचारों, मूल्यों एवं घटनाओं का विश्लेषण एक व्यापक विमर्श एवं गम्भीर चिंतन को आमंत्रित करता है। इस सार्थक परिचर्चा तथा बौद्धिक एवं वैचारिक समागम में आपकी उपस्थिति एवं सक्रिय सहभागिता हमारा पाथेय होगी।

महाविद्यालय

श्री वार्ष्णेय महाविद्यालय की स्थापना स्वतन्त्रता प्राप्ति के ऐतिहासिक वर्ष 1947 में हुई थी। वर्तमान में यह महाविद्यालय राजा महेन्द्र प्रताप सिंह राज्य विश्वविद्यालय अलीगढ़ से सम्बद्ध है तथा राष्ट्रीय प्रत्यायन एवं मूल्यांकन परिषद (NAAC) से B+ ग्रेड प्राप्त है। महाविद्यालय परिसर 42,000 वर्ग मी० क्षेत्र में फैला हुआ है। इसकी रेलवे स्टेशन एवं बस स्टैण्ड से दूरी लगभग 1 किमी० है। महाविद्यालय में 5 संकाय – वाणिज्य, कला, विधि, विज्ञान एवं शिक्षक शिक्षा के अन्तर्गत 21 विभागों में शिक्षण एवं शोध की समुचित व्यवस्था है। स्नातकोत्तर विभागों में विद्यार्थियों के लिये शोध की समुचित व्यवस्था उपलब्ध है। महाविद्यालय में इस समय 6500 से अधिक विद्यार्थी अध्ययनरत हैं तथा 108 शिक्षक अपनी सेवायें प्रदान कर रहे हैं।

अलीगढ़

अलीगढ़, पश्चिमी उत्तर प्रदेश का एक औद्योगिक नगर है जो कि देश की राजधानी नई दिल्ली से मात्र 130 किमी०, आगरा से लगभग 90 किमी एवं मथुरा–वृंदावन से 65 किमी की दूरी पर गंगा–यमुना के मैदानी भाग में स्थित है। यह शहर अपनी गंगा–जमुनी संस्कृति के साथ उच्च शिक्षा के महत्वपूर्ण केन्द्र के रूप में भी सुविख्यात है। औद्योगिक दृष्टि से यह शहर मूर्तियों, हार्डवेयर एवं तालों के उत्पादन का मुख्य केन्द्र होने के कारण 'ताला नगरी' के नाम से प्रसिद्ध है। संगोष्ठी के आयोजन के समय सम्पूर्ण ब्रज क्षेत्र का मौसम बेहद अनुकूल एवं सुखद रहेगा। इस कारण प्रतिभागी ब्रज क्षेत्र के मथुरा, वृन्दावन एवं आगरा के विभिन्न धार्मिक एवं ऐतिहासिक स्थलों के भ्रमण का आनन्द सहज रूप से प्राप्त कर सकते हैं।

विषय वस्तु

ब्रिटिश शासन की औपनिवेशिक दासता से मुक्ति के 75 वर्ष पूर्ण होने पर भारत 'आजादी का अमृत महोत्सव' मना रहा है। यह अमृत महोत्सव स्वाधीनता संग्राम के उन अनगिनत वीर सेनानियों और देशभक्तों के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करने का सुअवसर है जिनके त्याग और बलिदान के कारण ही हम स्वतन्त्र राष्ट्र में साँस ले पा रहे हैं। भारतीय स्वाधीनता संग्राम राष्ट्रीय, क्षेत्रीय और स्थानीय संघर्षों और प्रयत्नों से प्रेरित था। यह एक आक्रोशपूर्ण जन आन्दोलन था जिसमें सभी वर्गों, क्षेत्रों, जातियों और धर्मों के लोगों ने एकजुट होकर देश की आजादी के लिये संघर्ष किया। भारत की आजादी के अमृत महोत्सव के अवसर पर आयोजित होने जा रही इस राष्ट्रीय संगोष्ठी के माध्यम से उन महापुरुषों, घटनाओं, स्थानों, संस्थानों, संगठनों, पत्र–पत्रिकाओं, साहित्य, विचारों आदि से जुड़े उन सभी तथ्यों को सहेजकर इतिहास की मुख्य धारा से जोड़ने का प्रयास किया जायेगा, जिन्होंने स्वाधीनता संग्राम में ब्रिटिश सत्ता के विरुद्ध राष्ट्रीय चेतना विकसित करने में अग्रणी भूमिका निभाई एवं उसको एक दिशा प्रदान की। ऐतिहासिक परिक्षेत्र, विषय सामग्री और नवीन स्रोतों की जानकारी के साथ यह राष्ट्रीय संगोष्ठी भारत के स्वाधीनता संग्राम से जुड़े नवीन ऐतिहासिक आयामों को उद्घाटित करने में लाभकारी सिद्ध होगी।

उद्देश्य

- औपनिवेशिक काल में ब्रिटिश शासन की दमनकारी नीतियों व प्रकृति का सम्यक विश्लेषण करना।
- प्रमाणित ऐतिहासिक स्त्रोतों के आधार पर भारत के स्वाधीनता संघर्ष को नवीन आयामों के साथ स्थापित करना।
- जिन प्रतिरोधों एवं तथ्यों को इतिहास में समुचित स्थान नहीं मिल पाया है, उनका गहन मंथन करना।
- अलीगढ़ जनपद की राष्ट्रीय चेतना के इतिहास को उद्घाटित करना।

भारतीय स्वाधीनता संग्राम में स्वराज, राष्ट्रीय चेतना एवं प्रतिरोध

Swaraj, National Consciousness and Resistance in Indian Freedom Struggle

उपविषय (Sub Theme)

1. स्वराज की अवधारणा एवं राजनीतिक चेतना
   The concept of Swaraj and Political Consciousness.
2. आर्थिक शोषण के विरुद्ध राष्ट्रीय चेतना व प्रतिरोध
   National Consciousness and Resistance against Economic Exploitation
3. स्वाधीनता संग्राम में सामाजिक एवं सांस्कृतिक चेतना
   Social and Cultural Consciousness in Freedom Struggle
4. स्वाधीनता संग्राम में स्त्रियों की भूमिका व प्रतिरोध
   Role & Resistance of Women in Freedom Struggle
5. साहित्य एवं प्रिंट मीडिया में स्वराज, राष्ट्रीय चेतना व प्रतिरोध
   Swaraj, National Consciousness and Resistance in Literature & Print Media
6. राष्ट्रीय चेतना में विज्ञान एवं तकनीक की भूमिका
   Role of Science and Technology in National Consciousness
7. वैश्विक घटनाओं एवं विचारों का राष्ट्रीय चेतना पर प्रभाव
   Impact of Global Events & Ideologies on National Consciousness
8. अलीगढ़ जनपद में स्वराज, राष्ट्रीय चेतना एवं प्रतिरोध
   Swaraj, National Consciousness and Resistance in Aligarh District

प्रतिभागियों के लिये दिशा निर्देश

(1) प्रतिभागी अपना शोध पत्र हिन्दी अथवा अंग्रेजी भाषा में प्रस्तुत कर सकते हैं।

(2) राष्ट्रीय संगोष्ठी की एक स्मारिका (souvenir) का प्रकाशन भी कराया जायेगा। अतः आप अपना शोध–पत्र सार (Abstract) लगभग 300 शब्दों तक एवं शोधपत्र 2500–3000 शब्दों में प्रस्तुत करें। MS-Word में अंग्रेजी में Arial के Font 10 अथवा हिन्दी में Kruti Dev010 के Font 12 (A4 size Page) में प्रस्तुत करें।

(3) शोध पत्र व शोध पत्र सार निम्नलिखित ई–मेल पर भी प्रेषित किये जा सकते हैं–

ichrseminarsvc2022@gmail.com

(4) शोध–पत्र सार (Abstract) के साथ पंजीकरण करना अनिवार्य है।

(5) संगोष्ठी में प्रस्तुत किये गये स्तरीय शोध पत्रों को संगोष्ठी की कार्यवाही (proceedings) एवं ISBN पुस्तक के रूप में प्रकाशित किया जायेगा।